15-21feb bihar katha.qxd 27/02/2016 1:53 PM Page 1

# बिहार कथा

biharkatha.com

आर.एन.आई.क्र. BIHHIN/05297/TC

वर्ष-02, अंक-06 साप्ताहिक गोपालगंज, 15 से 21 फरवरी 2016 मूल्य 5.00 रुपए


# शराबबंदीः मजबूत इरादे, तगड़ी चुनौतियां

## सरकार के मंसूबे फेल करेंगे शराब माफिया, बढ़ेगा गैरकानूनी नेटवर्क

### संगठित अपराधी और दबंग समूह होंगे काफी ताकतवर

**बीरेंद्र बरियार**

20 नवंबर, 2015 को 5वीं बार बिहार का मुख्यमंत्री बनने के बाद नीतीश कुमार ने सब से बड़ा ऐलान कर डाला कि 1 अप्रैल, 2016 से बिहार में शराब पर पूरी तरह से रोक लगा दी जाएगी. बिहार में औरतें काफी दिनों से शराब पर रोक लगाने की मांग करती रही हैं. उन के मर्द शराब पीते हैं और इस का खमियाजा औरतों और बच्चों समेत समूचे परिवार को उठाना पड़ता है. शराबबंदी का ऐतिहासिक ऐलान कर के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने इरादे तो जता दिए हैं, लेकिन इस फैसले से सरकार के सामने कई चुनौतियां और मुश्किलें खड़ी होने वाली हैं, जिन से निबटना आसान नहीं होगा. दरअसल, जहां भी शराब पर रोक लगती है, वहां शराब माफिया और तस्करों का बड़ा नेटवर्क खड़ा हो जाता है और सरकार के मनसूबे फेल हो जाते हैं. शराब पर रोक भी नहीं लग पाती है और सरकार को इस से मिलने वाले हजारों करोड़ रुपए से हाथ भी धोना पड़ता है. बिहार में लाइसेंसी दुकानों के अलावा गलियों, ठेलों, सब्जी की दुकानों, छोटेमोटे ढाबों में बड़े पैमाने पर शराब का धंधा धड़ल्ले से चलता है. पाउच में बिकने वाली शराब के कारोबार का कोई हिसाबकिताब ही नहीं है. सुबह उठते ही शराब से कुल्ला करने वालों और रात को सोते समय भी शराब गटकने वालों की काफी बड़ी तादाद है. ऐसे लोगों के मुंह से शराब को छुड़ाना सरकार के लिए काफी बड़ी मुसीबत बनेगी. राज्य सरकारों के मिलने वाले राजस्व का एक बड़ा हिस्सा शराब से ही आता है. राज्य सरकारें इसे बढ़ावा देने में ही लगी रही हैं. इस के साथ ही शराबबंदी का दूसरा पहलू यह भी है कि शराब पर रोक लगाने की नीति खास कामयाब नहीं हो सकी है.

### हरियाणा में फेल हो चुकी है यह नीति

हरियाणा में बंसीलाल सरकार ने शराब पर रोक लगाई थी, पर उन्हें कामयाबी नहीं मिल सकी. एनटी रामाराव ने आंध्र प्रदेश में शराबबंदी लागू की थी, पर कुछ समय बाद ही उन्हें यह फैसला वापस लेना पड़ा था. शराबबंदी लागू होने से गैरकानूनी नेटवर्क पैदा हो जाता है और इस से संगठित अपराधी और दबंग समूह काफी ताकतवर हो जाते हैं. गुजरात में साल 1960 से ही शराब पर रोक लगी हुई है, इस के बाद भी अपराधी समूह सरकार और कानून को ठेंगा दिखाते हुए शराब का धंधा चला रहे हैं. मुंबई में अपराधियों और माफिया का बड़ा नेटवर्क बनने के पीछे वहां लंबे समय तक लागू शराबबंदी को ही जाता है.

### क्या खाली होगा खजाना

शराबबंदी के पीछे की सच्चाई यही है कि उस से सरकार को तो राजस्व का बड़ा नुकसान होता है, पर चोरीछिपे और तस्करी के जरीए शराब का धंधा चला कर अपराधियों की जमात ताकतवर बन कर सरकार के लिए सिरदर्द बन जाती है.

इस से पहले बिहार में साल 1977 में जब कपूर्री ठाकुर मुख्यमंत्री बने थे, तब उन्होंने शराब पर पाबंदी लगा दी थी. उस के बाद शराब की तस्करी बढ़ने और गैरकानूनी शराब का कारोबार करने वाले अपराधियों के पनपने के बाद शराबबंदी को वापस ले लिया गया था. उस समय शराबबंदी डेढ़ साल से ज्यादा समय तक नहीं चल सकी थी. सरकार के खिलाफ कई विधायकों ने ही मोरचा खोल डाला था. शराब की तस्करी नए कारोबार के रूप में पैदा हो गई थी.

### केंद्र सरकार देगी सौ करोड़, पीन के लिए परमीट भी

गुजरात में शराब नहीं बिकने देने के एवज में केंद्र सरकार हर साल राज्य सरकार को सौ करोड़ रुपए देती है. सरकारी फाइलों में समूचे गुजरात में 61 हजार, 535 लोगों के पास शराब पीने का परमिट है. इन में से 12 हजार, 803 केवल अहमदाबाद में हैं. उत्पाद महकमे से परमिट यह कह कर हासिल किया जाता है कि शराब उन के लिए दवा है. इस के लिए डाक्टर से सर्टिफिक्रेट लेने की जरूरत होती है. डाक्टर जब सर्टिफिक्रेट देता है कि परमिट मांगने वाले की दिमागी और जिस्मानी हालत को ठीक रखने के लिए शराब जरूरी है. डाक्टर ही शराब पीने की लिमिट तय करता है और उसी हिसाब से उसे शराब मिल सकती है. अगर परमिट मांगने वाला सरकारी मुलाजिम है, तो उसे अपने सीनियर से एनओसी लेना होता है.

### क्या गलती कर रहे नीतीश

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शराबबंदी के फैसले को कई लोग गलत ठहराने की कवायद में लग गए हैं और इसे नीतीश कुमार की बड़ी गलती करार देने लगे हैं. यह बात किसी से छिपी नहीं है कि देशभर में शराब की लौबी काफी मजबूत है. शराबबंदी के बाद सरकार के लिए सब से बड़ी चुनौती इस की कालाबाजारी और तस्करी से निबटना है.

### बढ़ेगा अवैध धंधा

गैरकानूनी रूप से देशी शराब के बनने और बिकने में तेजी आने का खतरा भी है. इस के अलावा सैरसपाटे के लिए बिहार आने वाले देशीविदेशी सैलानियों की तादाद में भी कमी आएगी. रिटायर आईएएस अफसर बीएन सिंह बताते हैं कि गैरकानूनी शराब की तस्करी को रोकने के लिए पड़ोसी राज्यों के बौर्डर पर ठोस निगरानी तंत्र बनाने होंगे. कई गैरजरूरी मदों में खर्च को कम कर के आमदनी की कमी को दूर किया जा सकता है. 9 जुलाई 2015 को मद्य निषेध दिवस के मौके पर हुए एक समारोह में स्वयं सहायता समूह की कुछ औरतों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपने कड़वे अनुभव सुनाए थे.

### अभी इतनी खपत

आज की तारीख में बिहार में 1,410 लाख लिटर शराब की खपत होती है. इस में 990.36 लाख लिटर देशी शराब, 420 लाख लिटर विदेशी शराब और 512.37 लाख लिटर बीयर की खपत होती है. बिहार में प्रति व्यक्ति प्रति सप्ताह देशी शराब और ताड़ी की खपत तकरीबन 266 मिलीलिटर और विदेशी शराब और बीयर की खपत 17 मिलीलिटर है. पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में यह आंकड़ा 34 मिलीलिटर और 5 मिलीलिटर का और दिल्ली में 56 मिलीलिटर और 86 मिलीलिटर का है.**मंत्री जी का कहना है :** बिहार के उत्पाद मंत्री अब्दुल जलील मस्तान का कहना है कि शराबबंदी का मतलब राज्य में हर तरह की शराब पर पूरी तरह से पाबंदी लगाने का है. देशी, विदेशी, मसालेदार, हंड़िया समेत सभी तरह की शराब पर 1 अप्रैल, 2016 से पाबंदी लग जाएगी. इस से सरकार को होने वाले हजारों करोड़ रुपए के नुकसान के सवाल पर मंत्री अब्दुल जलील पस्तान कहते हैं कि यह सरकार का कल्याणकारी कदम है, इसलिए नुकसान की अनदेखी की जाएगी और दूसरे मदों से राजस्व की उगाही को बढ़ाया जाएगा. दूसरे राज्यों से नाजायज तरीके से शराब के लाए जाने के डर को खारिज करते हुए वे दावा करते हैं कि पाबंदी लगने के बाद जब शराब की खरीदबिक्री दोनों बंद हो जाएगी, तो दोनों तरह के काम को अपराध माना जाएगा. बेचने के साथ खरीदने वालों को भी कानूनी कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा.

15-21feb bihar katha.qxd 27/02/2016 1:53 PM Page 2



# पुलिस के भगोड़े से डॉन बना था राघोपुर का बृजनाथी सिंह

## जिसे एके-47 से भूना था, आज उसी एके-47 से गोतिया ने ही बृजनाथ को भून डाला

**ज्ञानेश्वर.**पुलिस के भगोड़े से डॉन बना था राघोपुर का बृजनाथी सिंह। अब सीनियर्स की पांत में था । आज एके-47 से मारे जाने के पहले बृजनाथी सिंह को वैशाली में ठाकुरों का शूरमा भी कहा जाता था । गंगा के दियारे में कभी एके-47 की तड़तड़ाहट भी बृजनाथी सिंह ने ही शुरु की थी। लेकिन आज उसी एके-47 की गोलियों ने बृजनाथी को भून डाला।

बृजनाथी के पालिटिकल कनेक्शन बहुत तगड़े थे । राजनाथ सिंह से लेकर रामविलास पासवान तक । लालू प्रसाद से राघोपुर के चुनावों को लेकर रिश्ता बनता-बिगड़ता रहा । तेजस्वी यादव के चुनाव में संबंध ठीक हो गया था । बृजनाथी पहले अपने पुत्र इंजीनियर राकेश रौशन को लोजपा से लड़ाना चाहते थे । पर सीट भाजपा ने हथिया ली । प्रत्याशी भाजपा में शामिल हुए जदयू विधायक सतीश कुमार बने । राघोपुर के फाइट को कड़ा माना जा रहा था । लालू प्रसाद के लिए तेजस्वी की जीत प्रतिष्ठा से जुड़ी थी । राघोपुर का कास्ट समीकरण कहता रहा कि बृजनाथी सिंह के बेटे के चुनाव लड़ने से तेजस्वी को फायदा होगा । लोजपा से

टिकट न मिलने से निराश बृजनाथी के पुत्र राकेश को समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़ाया गया । पालिटिकल एनालिस्ट मानते हैं कि राकेश को मैदान में लाने में लालू प्रसाद की भूमिका भी थी । वैसे चुनाव के पहले बृजनाथी लगातार लालू प्रसाद के खिलाफबोल रहे थे । कई मीडिया हाउसेज को इंटरव्यू भी दिया था। आज हत्या के बाद सबसे पहले हम आपको बृजनाथी सिंह का पहले का इंटरव्यू दिखा रहे हैं। बृजनाथी ने बहुत सारे खून किए। हत्या के तुरंत बाद आरोप राजद समर्थकों पर परिजनों ने लगाया । अब बात आ रही है कि गांव के ही मुन्ना सिंह ने मार दिया । दोनों गोतिया में बताए जा रहे हैं । पहले कभी बृजनाथी ने मुन्ना सिंह के परिजनों को मारा था । अब बदला बराबर किया गया है । बृजनाथी सिंह को राजनीतिक संरक्षण का ही परिणाम रहा कि वे एक बार सीधी मुठभेड़ से बचे। बिहार पुलिस में इंकाउंटर स्पेशलिस्ट रहे शशिभूषण शर्मा की जद में एक दफे बृजनाथी बिलकुल घिर गए थे, तब किसी तरह जिंदा बचे थे। पर आज दुश्मनों ने काम तमाम कर ही दिया।

# साइबेरियन सारस को नहीं भाया बिहार का मौसम

**संजीत उपाध्याय.बक्सर**

इस साल ठंड कम पड़ने की वजह से साइबेरियन सारस समय से पहले लौटने लगे हैं। करीब सात हजार किलोमीटर की दूरी तय कर बक्सर के दियारांचल में हर साल आने वाले इन विदेशी मेहमानों को इस बार का मौसम रास नहीं आया। साइबेरियन पक्षी यहां तीन माह तक प्रवास करते थे, लेकिन इस साल ठंड कम पड़ने की वजह से महज एक माह में ही इनकी वापसी होने लगी है। हजारों एकड़ में फैले गंगा नदी व गोकुल जलाशय के बीच के हिस्से का प्राकृतिक सौंदर्य हर साल इन पंक्षियों के कारण बढ़ जाता है। बिहार व यूपी के बीच स्थित इस इलाके में साइबेरियन पक्षियों का जत्था इस साल भी आया है। इन दिनों साइबेरिया में पड़ने वाली कड़ाके की ठंड से बचने के लिए हर साल वहां से हजारों पक्षी यहां आकर प्रवास करते हैं। ग्रामीण बताते हैं कि नवंबर के दूसरे सप्ताह से इन पक्षियों का आगमन होने लगता है, लेकिन इस साल ठंड कम पड़ने की वजह से दिसंबर के अंतिम सप्ताह में पक्षियों का आगमन शुरू हुआ था। ग्रामीणों ने बताया कि पहली बार ऐसा हुआ है कि एक माह में ही विदेशी पक्षी लौटने लगे हैं। प्रजनन के लिए अनुकूल नहीं हुआ मौसमसाइबेरियन पक्षी करीब 7 हजार किलोमीटर की लंबी दूरी तय कर इस इलाके में पहुंचते हैं। रूस में इन दिनों तापमान माइनस बीस से चालीस डिग्री तक पहुंच जाता है। इसके कारण पक्षियों की प्रजनन क्षमता पर असर पड़ता है। प्रजनन के लिए भारी संख्या में साइबेरियन पक्षी इस क्षेत्र में आते हैं। चूंकि ठंड के दिनों में भी इस इलाके में तापमान दो-तीन डिग्री से नीचे नहीं जाता है। वहीं साइबेरियन पक्षियों के प्रजनन के लिए चार से दस डिग्री तक तापमान उपयुक्त माना जाता है। लेकिन, इस बार प्रजनन के अनुकूल मौसम नहीं बन पाया। इस वजह से ए समय से पहले लौटने लगे हैं। इस इलाके में तापमान दो-तीन डिग्री से नीचे नहीं जाता है। वहीं साइबेरियन पक्षियों के प्रजनन के लिए चार से दस डिग्री तक तापमान उपयुक्त होता है। 9 से 21 जनवरी तक ही पड़ी कड़ाके की ठंडइस साल 9 से 21 जनवरी तक ही कड़ाके की ठंड पड़ी। इस कारण इन पक्षियों की प्रजनन क्षमता पर असर पड़ा और विदेशी पक्षी लौटने लगे। ठंड की कमी की वजह से अब ए पक्षी नेपाल के तराई इलाके में जाकर प्रवास करेंगे। इसके बाद चीन होते हुए साइबेरिया लौट जाएंगे। इन पक्षियों का अपना कोई स्थाई घोंसला नहीं होता है। सालोंभर ए पक्षी उड़ान भरते रहते हैं। एक दिन में ए 100 से 110 किलोमीटर तक की दूरी उड़कर तय कर सकते हैं।

**खास बातें**

- 7000 किलोमीटर की दूरी तय कर आते हैं साइबेरियन सारस
- 100 से 110 किलोमीटर एक दिन में उड़ने की होती है क्षमता
- 04 से 10 डिग्री प्रजनन के लिए उपयुक्त होता है तापमान
- 01 माह प्रवास के बाद ही लौटने लगे साइबेरियन पक्षी

# वैलेनटाइन डे पर प्रेमिका की ससुराल पहुंचे प्रेमी की जम कर पिटाई

**मसौढ़ी।** वैलेनटाइन डे के जोश में एक प्रेमी को नई नवेली दुल्हन की ससुराल पहुंचना महंगा पड़ गया. लड़की के ससुरालवालों ने उस प्रेमी की न केवल जम कर पिटाई की, बल्कि उसे पुलिस के हवाले भी कर दिया. प्रेम-प्रसंग की ए अजीबो-गरीब घटना रविवार को धनरूआ के देवदहा गांव की है. जानकारी के अनुसार बाढ़ के रहनेवाले सरयुग प्रसाद के पुत्र सतेंद्र कुमार नालंदा जिले के नगरनौसा गांव के नागेंद्र प्रसाद की पुत्री से प्रेम करता था. इस बात की जानकारी लड़की के घरवालों को थी. इसलिए उन लोगों ने उसकी शादी धनरूआ थाने के चौकीदार विजय प्रसाद के पुत्र सोनू से 13 फरवरी को कर दी. 14 फरवरी को लड़की की विदाई भी हो गई. सतेंद्र को यह नागवार गुजरा. वह वैलेनटाइन डे के दिन अपनी प्रेमिका से मिलना चाहता था.

**प्रेमी को सहेली का पति बताया**

सतेंद्र वैलेनटाइन डे की शाम में लड़की के ससुराल पहुंच गया. ससुरालवालों ने उसका परिचय पूछा, तो लड़की ने बताया कि वह उसकी एक सहेली का पति है, फिर दोनों एक कमरे में काफी देर तक बात करते रहे.

ससुरालवालों को शक हुआ, तो उन्होंने लड़की के पिता को उसी शाम बुलाया. लड़की के पिता ने जैसे ही सतेंद्र को देखा, तो वे चौंक पड़े. उन्होंने बताया वे उसे नहीं जानते. इतना सुनने के बाद लड़की के ससुरालवाले आग बबूला हो गए और फिर सभी ने सतेंद्र को घर से खींच कर जम कर पिटाई कर दी. उसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया. इस संबंध में लड़की के पिता ने धनरूआ थाना में अपनी पुत्री को ससुराल से भगा ले जाने का प्रयास किए जाने का मामला दर्ज करवाया है. थानाध्यक्ष लालमोहन सिंह ने बताया कि दर्ज प्राथमिकी के आधार पर सतेंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया है.

## होना है पतला तो आजमाइये ये नुस्खा

अगर आप पतले होना चाहते हैं तो अपने रसोईघर को साफसुथरा रखने की आदत बना लें। एक नए शोध से पता चला है कि अस्त-व्यस्त रसोई घर होने से लोग ज्यादा कुकीज खाते हैं जिससे वे ज्यादा कैलोरी ग्रहण करने लगते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि जब रसोईघर अस्त-व्यस्त हो यानी अखबार टेबल पर पड़ा हो, झूठे बर्तन सिंक में रखे हो और उधर फोन की घंटी बज रही हो तो महिलाएं ज्यादा कुकीज खाने लगती हैं। आस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय की लेनी वारटेनियन का कहना है कि जिन महिलाओं का रसोईघर साफसुथरा हो और हर चीज करीने से रखी हो उनके मुकाबले ज्यादा कुकीज की यह मात्रा दोगुनी तक हो सकती है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पुरूषों के मामले में भी यह सच होगा। साथ ही शोधकर्ताओं का कहना है कि यद्यपि मेडीटेशन से हम अपने पर काबू रख सकते हैं कि ज्यादा कुकीज जैसी चीजें न खाएं। लेकिन इससे आसान तरीका यही है कि हम अपने रसोईघर को साफ-सुथरा और संगठित रखें। यह शोध कॉर्नेल फूड एंड ब्रैंड लैब की मदद से किया गया और इसे एनवायरोनमेंट एंड विहेबियर में प्रकाशित किया गया है।

15-21feb bihar katha.qxd 27/02/2016 1:53 PM Page 3



# गोपालगंज से पटना के लिए चली ट्रेन, सपना सच

**गोपालगंज।** ट्रेन से पटना की दूरी तय करने का गोपालगंजवासियों का सपना आखिरकार, बुधवार से साकार हो ही गया। पहली बार पाटलिपुत्र जाने का ऐतिहासिक अवसर गोरखपुर से कप्तानगंज- थावे- सीवान होकर जानेवाली सवारी गाड़ी को मिला। इससे लोगों में आ खुशी है कि वे महज 40 रुपए में आ पटना तक की यात्रा भाड़े ही आराम से कर सकेंगे। लंबे समय से लोगों का सपना था कि काश, गोपालगंज जिले के लोग भी ट्रेन में बैठकर पटना तक का सफर तय करते। इस ट्रेन के सफर को लेकर लोगों में पहले दिन काफी उत्साह था। जो लोग थावे जंक्शन पर इस ट्रेन को पटना जाने के लिए पकड़ते थे, वे यह जानकर खुश थे कि आ उनको यह ट्रेन सोनपुर में बदलना नहीं पड़ेगा। बल्कि, परमानंदपुर से यही सीधे पटना तक पहुंचा देगी। इस ट्रेन के चलने से थावे जंक्शन से पटना की दूरी महज 138 किलोमीटर हो गई है। इसका किराया भी बसों के मुकाबले काफी सस्ता है।

**थावे में रेलकर्मियों को भी नहीं पता कहां तक जाएगी ट्रेन**

पहले दिन गोरखपुर से पाटलिपुत्रा तक जानेवाली पैसेंजर ट्रेन का परिचालन पटना तक शुरू हो गया है, इसका पता रेलकर्मियों को भी नहीं था। हिन्दुस्तान अखाबार में समाचार पढ़कर जो लोग पटना जाने के बारे में इंक्वायरी करने गए तो यही बताया कि उनको अभी इस बारे में कुछ भी सूचना वाराणसी रेलमंडल से नहीं दी गई है। स्टेशन अधीक्षक का कहना था कि यह ट्रेन संख्या 55008

गोरखपुर से थावे आती है। वहीं, 55007 सोनपुर से गोरखपुर तक जाती है।

**पश्चिमांचल के लोगों को फायदा**

गोपालगंज जिले के पश्चिमांचल के लोगों को पटना जाने में काफी सुविधा हो गई है। इस ट्रेन को जलालपुर, सिपाया कुचायकोट, सासामूसा आदि स्टेशनों पर भी पकड़ा जा सकता है। यही नहीं हथुआ, अमलोरी सरसर, सीवान कचहरी स्टेशन पर भी यह ट्रेन मिल सकती है। पैसेंजर होने के नाते यह ट्रेन सभी छोटे-बड़े स्टेशनों पर रुकते हुए पाटलिपुत्रा स्टेशन पर पहुंचेगी।

**चार जोड़ी ट्रेनों के परिचालन की उम्मीद**

पाटलिपुत्र से गोरखपुर और लखनऊ तक चार जोड़ी ट्रेनों का परिचालन होने की उम्मीद जताई जा रही है। पाटलिपुत्रा- छपरा- थावे- लखनऊ ट्रेन एक्सप्रेस ट्रेन का भी परिचालन शीघ्र होने की उम्मीद है। इसके अलावा एक जन शतादी ट्रेन का परिचालन भी जल्द ही होगा। इन ट्रेनों का परिचालन शुरू होने से लोगों को काफी राहत मिलेगी।

थावे- छपरा रेलखंड का निर्माण होते ही बढ़ेंगी ट्रेनें

थावे से छपरा तक इनदिनों बड़ी लाईन के निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। इस खंड पर ही गोपालगंज जिला मुख्यालय का स्टेशन गोपालगंज है। इस खंड के बन जाने से जिले के पूर्वांचल के लोगों को रेल सुविधा मिल जाएगी। साथ ही, इस रूट से पटना जाना आसान हो जाएगा। इस खंड पर दो महीने में ही ट्रेनों के चलने की उम्मीद जताई जा रही है।

व्यापार- रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

पाटलिपुत्र तक ट्रेन की सीधी सुविधा गोपालगंज और थावे से हो जाने पर व्यापार को काफी हद तक बढ़ावा मिलेगा। राजधानी पटना से सीधे ट्रेन सेवा नहीं होने के कारण कम दूरी की वजह व्यापारी अधिकतर खरीदारी यूपी के गोरखपुर से ही करते हैं। अर्थात एक तरह से कहा जाए तो गोपालगंज का बाजार गोरखपुर पर ही निर्भर है। लेकिन, पटना तक आने- जाने की सुविधा बढ़ जाने से व्यापारियों को माल लाने या दूर से मंगाने में राहत मिलेगी। यही नहीं रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। इससे युवाओं को कई तरह के रोजगार मिलेंगे।

**अधिकारी का कहना है**

गोरखपुर से सोनपुर तक जानेवाली पैसेंजर गाड़ी संख्या 55008 का ही मार्ग विस्तार कर आ पाटलिपुत्र तक परिचालन 3 फरवरी से शुरू कर दिया गया है। आ यह ट्रेन सोनपुर नहीं जाकर परमानंदपुर से ही पहलेजा स्टेशन होते हुए पाटलिपुत्र तक जाएगी। वहीं उधर से पाटलिपुत्र जंक्शन से यह ट्रेन 55007 होकर खुलेगी, जो गोरखपुर तक थावे- कप्तानगंज होकर जाएगी।

- अशोक कुमार, जनसंपर्क पदाधिकारी, वाराणसी मंडल

**लोगों का कहना है-**

गोपालगंज जिले के यात्रियों के लिए राजधानी पहुंचना आ आसान हो गया। पटना तक ट्रेन की सुविधा दिए जाने से लोगों को भारी उम्मीद जगी है। आ जिले का विकास तेजी से होगा।

- श्यामकिशोर राय, राजेन्द्र नगर

छपरा से पटना ट्रेन से जुड़ने से हम सभी को काफी खुशी हैं। महिलाओं को काफी राहत मिलेगी। आ ट्रेनों की सुविधा भी बढ़ गई है। हथुआ से पटना तक हम जा सकते हैं। **रजनी मिश्रा, हथुआ**

# बेहद गुस्से में हैं ए 12 हाथी, इंसानों को घेरकर कुचलने की कोशिश कर रहे हैं

**ओम प्रकाश विपुल**

**औरंगाबाद.** बिहार के औरंगाबाद जिले में इन दिनों हाथी हाहाकार मचा रहे हैं। झारखंड के जंगलों से आए हाथी पिछले चार दिनों में दो लोगों की जान ले चुके हैं और हजारों एकड़ फसल को बर्बाद कर दिया है। यहाँ रह रहे लोग हाथियों का गुस्सा देखकर दहशत में हैं और रात-रात भर जाग रहे हैं।

12 हाथियों का झुण्ड है जो इंसान को देखकर उसके आस-पास घेरा बना लेता है - वन विभाग के मुख्य वन संरक्षक एसएस चौधरी ने कहा कि जंगली हाथी का व्यवहार पालतू हाथी से अलग होता है। - यह पालतू हाथी से तेज दौड़ने वाला और ज्यादा ताकतवर होता है। - लोगों को हाथी के 500 मीटर दायरे तक नहीं जाना चाहिए। इसके आसपास भीड़ नहीं लगाना चाहिए। - भीड़ देख हाथी तनाव में आ जाते हैं और आक्रमण कर देते हैं। हालांकि ए गुस्सैल बहुत ज्यादा हो गए हैं और जैसे ही इनकी रेंज में कोई आदमी आ जाता है, चारों तरफसे घेरा बनाकर उसे पहले सूंड से मारते हैं और उसके बाद कुचल देते हैं। - हाथी जिस दिशा में जा रहा उसे जाने देना चाहिए। हाथी के साथ छेड़छाड़ करना जान जोखिम में डालने के समान है। युवक को हाथी ने कुचलकर मारा - सोमवार सुबह औरंगाबाद जिले के मदनपुर के महुआंवा गांव में हाथियों का कहर बरपा। - 12-15 की झुंड में आए हाथियों ने किसानों के सैकड़ों एकड़ फसलों को बर्बाद कर दिया। - इस दौरान हाथी ने 15 साल के शुभम कुमार को कुचलकर मार डाला। फसल बचाने में शनिवार को भी गई थी एक युवक की जान - गौरतलब है कि शनिवार को भी औरंगाबाद जिले के देव थाना क्षेत्र के सुद्दी बिगहा गांव में हाथी आ धमके थे। - गांव का एक युवक हाथियों से अपने फसल को बचाने का प्रयास कर रहा था। - इसी दौरान हाथियों ने युवक पर हमला कर दिया। उसे जमीन पर पटककर मार डाला। वनकर्मी और ग्रामीण मशाल लेकर भगा रहे हाथियों को - वन विभाग के लोग व ग्रामीण बड़े-बड़े लोहे के रॉड में मशाल जला कर हाथियों को भगाने का प्रयास कर रहे हैं। - इस काम में हजार से ज्यादा लोग लगे हैं, लेकिन हाथियों के आगे सभी विवश नजर आ रहे हैं। - मशाल देख हाथी भागने के बजाय और उग्र हो गए हैं। सीआरपीएफ और जिला पुलिस तैनात - शनिवार को युवक की हत्या के बाद डीएफओ सुधीर कुमार शर्मा, रेंजर चौहान शशि भूषण सिन्हा मौके पर पहुंचे थे। - हाथियों से तबाही रोकने के लिए जिला प्रशासन ने सीआरपीएफव जिला पुलिस बल के जवानों को लगा दिया है।

**पानी की तलाश में भटक रहे हैं हाथी**

- वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार हाथी पानी की तलाश में भटक रहे हैं। - जंगलों में कुछ बांध सुख गए तो कई बांधों को बर्बाद कर दिया गया। उन्हें पानी की किल्लत हो गई है। - अब वे पीने के लिए पानी की तलाश में इधर-उधर भटक रहे हैं।

## कुत्तों की 21 जोड़ियां बंधी शादी के बंधन में

शादी के खूबसूरत कपड़ों में सजे दूल्हा-दुल्हन के 21 जोड़े और हर्षोल्लास का माहौल, लेकिन यह सामूहिक विवाहोत्सव इंसानों की नहीं बल्कि पालतू कुत्तों का था। बीजिंग में हुए अपनी तरह के इस पहले विवाह समारोह में कुत्तों की 21 जोडियों की शादी कराई गई। विवाह में शामिल हुए कई कपल्स अपने मालिकों के साथ बीएमडब्लू और हमर जैसी महंगी कारों में विवाह स्थल पर पहुंचे। सभी जोड़े महंगे और खूबसूरत कपड़ों से सजे थे। इनमें से एक कुत्ते की मालकिन और इस शादी समारोह की मेहमान मिस ली ने कहा, मैने इससे पहले कई शादियां अटेंड की है पर मैं पहली बार इतने बड़े स्तर पर हो रही पालतू जानवरों की शादी की गवाह बन रही हूं। इन प्यारे पेट्स की शादी होते देखना और इनकी कहानियां सुनना वाकई में शानदार है। यह समारोह एक ऐप डेवलपमेंट कंपनी और पेट्स के मालिकों ने मिल कर आयोजित किया था। इस ऐप कंपनी के अधिकारी ने बाताया कि यह हमारी पहली कोशिश थी पर आगे भी हम इस तरह के आयोजन करते रहेंगे जिससे पेट्स की सामाजिक जीवन में प्रगति हो। हमारी कोशिश है कि पेट्स के प्रति लोग ज्यादा सद्भाव दिखाएं।

15-21feb bihar katha.qxd 27/02/2016 1:53 PM Page 4



# पिता और सौतेली मां ने बेटी को जिंदा जलाया

## शादी से इनकार करने की सजा

गिरिधर झा.

**पटना।**
बिहार के एक गांव की रहने वाली खुशबू को उसके ही पिता और सौतेली मां ने जिंदा जला दिया क्योंकि उसने शादी करने की बजाय आगे पढ़ाई की इच्छा जताई थी. बाप और सौतेली मां द्वारा जिंदा जलाई गई खुशबू की बीती पांच फरवरी को पटना मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई. खुशबू के बड़े भाई अमृत राज ने एफआईआर में कहा है कि उसके पिता सुनील ठाकुर, सौतेली मां पूनम देवी और अन्य रिश्तेदारों ने मिलकर खुशबू को इसलिए जिंदा जला दिया क्योंकि उसने शादी से मना कर दिया था. वो आगे पढ़ना चाहती थी. पटना से 35 किलोमीटर दूर मसौढ़ी

पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले पुरानी बाजार की रहने वाली खुशबू बारहवीं में पढ़ने वाली एक होनहार छात्रा थी. मसौढ़ी पुलिस स्टेशन के एसएचओ अरुण कुमार अकेला ने बताया कि खुशबू की मौत जलने से हुई है. उन्होंने कहा, 'हम उसकी मौत की परिस्थिति के बारे में पड़ताल कर रहे हैं. इसके लिए हमें पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है.' पुलिस को दी गई एफआईआर में खुशबू के भाई अमृत ने कहा है कि उसकी बहन आगे पढ़ना चाहती थी लेकिन पिता और सौतेली मां ने दो महीने पहले नौबतपुर के रहने वाले एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति से उसकी शादी तय कर दी थी. जब खुशबू को यह बात पता चली तो उसने शादी से इनकार कर दिया जिससे उसके पैरेंट्स बहुत नाराज हुए थे. भाई का आरोप है कि उसके बाद से ही उसे घर में काफी प्रताड़ित किया जाने लगा और बीती तीन फरवरी को उसके पिता और सौतेली मां उसे जिंदा जला कर फरार हो गए. बाद में लड़की को लोकल हॉस्पिटल ले जाया गया जहां से उसे गंभीर हालत में पटना मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया, जहां उसकी मौत हो गई. पुलिस ने अमृत की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है. इस मामले के सारे आरोपी फिलहाल फरार है.

## कल के पानी से नहाते ही उड़ गए सिर के बाल

**लदनिया (मधुबनी)।** हैंडपंप का पानी क्या किसी परिवार के लिए आफत बन सकता है। लेकिन ऐसा हुआ है बिहार के मधुबनी जिले में लदनिया के एक इलाके में एक हैंडपंप के पानी से नहाने के बाद पूरा परिवार गंजा हो गया। इससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। प्रशासन ने इस हैंडपंप को सील कर दिया है जबकि परिवार के चार लोग जो प्रभावित हैं उनमें किसी अन्य तरह के प्रभाव को लेकर भी संशय बरकरार है। लदनियां के नाथपट्टी गांव में दोपहर के समय घर के बाहर लगे हैंडपंप के पानी से एक ही परिवार के चार सदस्यों से स्नान किया। शाम होते-होते परिवार के सभी चारों सदस्य गंजे हो गए। प्रभावित सदस्यों में परिवार के मुखिया मो़ हासिम, पत्नी जयमून खातून, बेटी अफसाना खातून व पुत्र मो़ हफीजुल शामिल हैं। सूचना पर पहुंचे बीडीओ बिमल कुमार व पीएचसी के चिकित्सक डॉ़ विजय साह ने लोगों से पूछताछ भी की। हालांकि, बाल गिरने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। प्रशासन ने जांच के लिए पानी का नमूना लेकर हैंडपंप को सील कर दिया है। पीड़ितों ने बताया कि सभी चारों ने दोपहर के समय घर के चापाकल के पानी से स्नान किया। इसके कुछ देर बाद ही सभी के बाल आपस में चिपक गए और छूने के बाद हाथों में आ गए। शाम होते-होते बाल गायब हो गए। घर की महिला सदस्यों को न तो घर में रहते बन रहा है, न बाहर निकलते। कहती हैं, वह तो अच्छा हुआ, कुछ दिनों पहले बेटी की शादी हो गई, वरना काफी परेशानी होती। शनिवार को हुई इस घटना में प्रभावित लोगों को उपचार के लिए पहले खुटौना भेजा गया, जहां इन्हें स्वस्थ पाया गया। पीएचसी प्रभारी ने बताया कि पानी को जांच के लिए भेजा गया है। पीएचईडी से जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। ही पता चलेगा कि घटना का असली कारण क्या है।

# वेल्डर का काम करने वाले के बेटे को एक रोड़ का पैकेज

**बिहार कथा. खगड़िया/कोटा।** तमाम अवरोधों के बावजूद सफलता हासिल करने की प्रेरक कहानी की तरह आईआईटी खड़गपुर के अंतिम वर्ष के छात्र को अमेरिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने 1.02 करोड़ रुपए की शुरुआती पैकेज पर नौकरी दी है। इक्कीस साल के वात्सल्य सिंह चौहान के पिता बिहार के खगड़िया में एक वेल्डिंग की दुकान चलाते हैं। आईआईटी खड़गपुर के निदेशक पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती ने कल अपने फेसबुक पेज पर वात्सल्य को बधाई दी थी। वात्सल्य का कहना है कि उसने 2009 में एक कोचिंग सेन्टर में अपने खराब रिजल्ट को सुधारते हुए आईआईटी प्रवेश परीक्षा में अखिल भारतीय 382 रैंक प्राप्त किया। उसने कहा, मुझे माइक्रोसॉफ्ट की ओर से 1.02 करोड़ रुपए का वार्षिक पैकेज मिला है और मैं इस वर्ष अक्तूबर से ज्वाइन करूंगा। अपनी सफलता का श्रेय दो शिक्षकों को देते हुए उसने कहा कि जब सबकुछ छोड़ कर घर वापस जाने की सोच रहा था, उन्होंने मुझे रोका और मेरा साथ दिया। वात्सल्य के पिता चन्द्र कांत सिंह चौहान का कहना है कि वह अपने बेटे की सफलता से बहुत खुश हैं और चाहते हैं कि बेटा देश को मान दिलाए। उन्होंने कहा, मेरी 20 साल की तपस्या का फल मिला है और मेरा सपना सच हुआ है। मेरा बेटा भारत से बाहर जा रहा है और मैं चाहता हूं कि वह देश के लिए काम करे और बाहर देश का नाम रोशन करे।

### कोचिंग के लिए नहीं थे पैसे...

बिहार के छोटे से कस्बे खगड़िया के रहने वाले वात्सल्य के घर की हालत ऐसी नहीं थी कि आईआईटी की पढ़ाई पूरी कर सकें। हालांकि, 12 वीं के बाद उनका सपना यही था। कॉम्पिटीशन और कोचिंग की तैयारी के पैसे नहीं थे। उनके पिता कोटा आ गए कि शायद यहां कोई हल निकले। पिता के साथ वात्सल्य एक कोचिंग के इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर से मिले। वात्सल्य की लगन से इम्प्रेस डायरेक्टर ने उन्हें फ्री क्लास अटेंड करने की इजाजत दे दी। इतना ही नहीं फ्री हॉस्टल की फैसिलिटी भी दी।

### दूसरे प्रयास में सफलता

वात्सल्य ने दूसरे अटेम्प्ट में जेईई-2012 में 382वीं रैंक हासिल की। इसके बाद उन्होंने ककळ खड़गपुर में एडमिशन लिया। यहां कैंपस में माइक्रोसाफ्ट ने 1.20 करोड़ रुपए सालाना पैकेज का ऑफर दिया। आईआईटी में कैंपस प्लेसमेंट 1 से 20 दिसंबर के बीच हुआ था। अब जून-2016 में वो बीटेक पूरी कर कंपनी से जुड़ेंगे।

### दोस्तो के साथ मिलकर खोलेंगे स्कूल

कोचिंग ने जो हेल्प वात्सल्य के लिए की थी, उसी जज्बे के साथ अब वात्सल्य भी गरीब छात्रों को पढ़ाते हैं। आईआईटी में भी वे ऑटो चालकों के बच्चों को फ्री में पढ़ाते हैं। वे अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपने कस्बे में एक मॉडल स्कूल खोलने की सोच रहे हैं। इसमें ककळ छात्र चार महीने की छुट्टियों लेकर पढ़ाएंगे। बाकी समय अन्य टीचर्स एजुकेशन देंगे। वे बिहार में नक्सल प्रभावित क्षेत्र के बच्चों को एजुकेशन से जोड़ना चाहते हैं। अपने बैचमेट के साथ मिलकर इस होनहार स्टूडेंट ने एक इनोवेशन भी किया है। उन्होंने एक मिनी स्मार्ट डिवाइस बनाई है, जिसे हाथ की रिंग में लगाकर इंटरनेट एक्सेस किया जा सकता है।

बिहार कथा, स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजय कुमार साह द्वारा मिशन मीडिया प्रा.लि. छत्तीसगढ़ भवन प्रेस काम्पलेक्स,रजबंधा मैदान,रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित और हथुवा, गोपालगंज (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक: संजय कुमार साह, आर.एन.आई.रजि. क्र. BIHHIN/05297/TC संपर्क: 73520-08500 **ई-मेल:** biharkatha@gmail.com,Web: www.biharkatha.com नोट: पत्र में प्रकाशित आलेखों में व्यक्त विचार लेखकों के है, उससे संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं। पत्र से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा गोपालगंज न्यायिक क्षेत्र में होगा।